सिंगापुर व खाड़ी देशों की कंपनियों ने निवेश में दिखाई रुचि

आइटी, इन्फ्रास्ट्रक्चर व अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश की संभावना, जीबीसी में किया जाएगा आमंत्रित

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : सिंगापुर व खाड़ी देशों की 45 से अधिक कंपनियों ने उत्तर प्रदेश में निवेश में रुचि दिखाई है। ये कंपनियां सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी), इन्फ्रास्ट्रक्चर (बुनियादी ढांचा) और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश की इच्छुक हैं।

इनमें सिंगापुर की 20 और यूएई, सऊदी अरब, कतर, कुवैत, ओमान, बहरीन की 25 से अधिक कंपनियां शामिल हैं। इन्वेस्ट यूपी की कोशिश है कि इन कंपनियों से निवेश की कागजी प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी कर ली जाए, जिससे इन्हें जीबीसी (ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी) में आमंत्रित किया जा सके।

इन्वेस्ट यूपी ने बीते दिनों विदेशी कंपनियों से आने वाले निवेश के प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए रिलेशनशिप मैनेजरों की तैनाती की है। इन्हें संबंधित कंपनियों के साथ तालमेल बनाने और उन्हें सरकार की नीतियों के तहत निवेश पर दी जाने वाली विभिन्न प्रकार की छूट का लाभ दिलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पिछले दिनों संबंधित देशों में स्थित भारतीय दूतावासों के माध्यम से आयोजित वर्चुअल सम्मेलन में निवेशकों को राज्य में निवेश पर सरकार की तरफ से दी जा रही सुविधाओं की जानकारी इन्वेस्ट यूपी ने दी थी। संबंधित कंपनियों के साथ भारतीय दूतावासों के अधिकारी भी संवाद कर रहे हैं। उम्मीद है कि नवंबर में प्रस्तावित जीबीसी में इन कंपनियों के प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए शामिल किया जाएगा।

जापान की कंपनियों को फार्मा क्षेत्र में निवेश के लिए किया आमंत्रित

- वर्चुअल बैठक में यूपी और जापान की कंपनियों के प्रतिनिधि हुए शामिल
- इन्वेस्ट यूपी ने निवेश के लिए दिए जा रहे प्रोत्साहनों की जानकारी दी

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ: इन्वेस्ट यूपी ने जापान की कंपनियों को राज्य में फार्मा क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया है। इस संदर्भ में इन्वेस्ट यूपी और जापान की कंसाई फार्मास्यूटिकल एसोसिएशन के बीच हुई वर्चुअल बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा कि उत्तर प्रदेश एक अग्रणी फार्मा हब बनने की दिशा में अग्रसर है।

पिकप भवन में शुक्रवार को वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता करते हुए अवस्थी ने कहा कि केजीएमयू, एसजीपीजीआई, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) व 200 से अधिक मेडिकल कालेज और 25 से अधिक मेडटेक स्टार्टअप्स कान्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग आर्गनाइजेशन के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार कर रहे हैं। इसलिए राज्य में फार्मा के क्षेत्र में निवेश की काफी संभावनाएं हैं। कहा कि वर्तमान में राज्य में सात एक्सप्रेसवे संचालित हैं और छह का निर्माण किया जा रहा है। पांच अंतरराष्ट्रीय और 16 घरेलू हवाई अड्डे उपलब्ध हैं। उत्तर प्रदेश का बड़ा बाजार और 56 प्रतिशत से अधिक युवा मानव संसाधन की उपलब्धता इस राज्य को फार्मा का हब बनाने के लिए पर्याप्त हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश निवेश प्रोत्साहन नीति 2023 के तहत एफडीआइ, एफसीआइ, फार्च्यून ग्लोबल 500 और फार्च्यून इंडिया 500 कंपनियों के लिए दिए जा रहे प्रोत्साहन की भी जानकारी दी। जापानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एसोसिएशन के महानिदेशक डा. योशिकाजु हयाशी और चुओ गाकुइन विश्वविद्यालय की प्रोफेसर अत्सुको कामीइके ने किया।

रूसी व्यापार आयुक्त कार्यालय, इंडिया-रशिया कोलैबोरेशन चैंबर के अध्यक्ष इन्वेस्ट यूपी रूस डेस्क तथा एसोचैम उत्तर प्रदेश चैप्टर के प्रतिनिधियों संग वर्चुअल बैठक करते इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शशांक चौधरी

रूस के साथ रक्षा एवं एयरोस्पेस के क्षेत्र में निवेश पर चर्चा: रक्षा एवं एयरोस्पेस के क्षेत्र में निवेश को लेकर रूस के व्यापार आयुक्त कार्यालय के साथ इन्वेस्ट यूपी ने वर्चुअल बैठक की। इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शशांक चौधरी ने कहा रूस के प्रतिनिधियों को रक्षा व एयरोस्पेस के क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। दोनों पक्षों ने नवाचार और निर्माण उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त उद्यमों और सहयोगी मंचों की स्थापना में रुचि व्यक्त की।